बिठूर महोत्सव 2025

चर्चा में क्यों?

21 से 23 मार्च, 2025 तक उत्तर प्रदेश के कानपुर में **बिठूर महोत्सव** का आयोजन किया गया।

मुख्य बिंदु

- **महोत्सव के बारे में:**
  - यह महोत्सव प्रतिवर्ष कानपुर के **ऐतिहासिक और पौराणिक स्थल बिठूर** में आयोजित किया जाता है।
  - इस महोत्सव में **1857 की क्रांति** की गौरवशाली झलक देखने को मिलेगी, साथ ही **छवि, रंगमंच, संगीत, नाट्य** और विभिन्न संस्कृतियों की मनोरम प्रस्तुतियाँ की जाती हैं।
  - इस वर्ष का महोत्सव **उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र की साझा संस्कृति और ऐतिहासिक विरासत** पर आधारित था।
- **1857 की क्रांति में बिठूर की भूमिका**
  - उत्तर प्रदेश के **कानपुर ज़िले** में गंगा नदी के किनारे स्थित यह नगर **1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम** से गहराई से जुड़ा हुआ है।
  - **कानपुर की घेराबंदी (5- 25 जून 1857)** बिठूर किले के पास आरंभ हुई। मराठा पेशवा **बाजीराव द्वितीय** के दत्तक पुत्र **नाना साहब** को अंग्रेज़ो द्वारा बिठूर में **निर्वासित** कर दिया गया था। उनका किला **विद्रोह की रणनीति का मुख्यालय** बना।
  - स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख नायक **नाना साहब, रामचंद्र पांडुरंग और तात्या टोपे** ने यहीं से **अंग्रेज़ी शासन के विरुद्ध संघर्ष** की शुरुआत की।
  - **19 जुलाई 1857** को **ब्रिटिश जनरल हैवलॉक** ने बिठूर पर **कब्ज़ा** कर लिया। इसके बाद अंग्रेज़ों ने **बिठूर किले, घाटों और अनेक मंदिरों को आग के हवाले कर दिया**। इस त्रासदी में **नाना साहब की 14 वर्षीय पुत्री, मैनावती**, आग में जलकर शहीद हो गईं। उनकी **स्मृति में कानपुर में एक सड़क का नाम 'मैनावती मार्ग' रखा गया**।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/bithoor-festival-2025